साहित्य अकादेमी का साहित्योत्सव संपन्न

११ से १६ मार्च तक नई दिल्ली में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जानेवाला साहित्योत्सव इस बार अपने सबसे बड़े रूप में आयोजित हुआ। छह दिवसीय इस उत्सव में ४०० से ज्यादा रचनाकारों ने ४० से अधिक कार्यक्रमों में लगभग ६० भाषाओं का प्रतिनिधित्व किया। साहित्योत्सव का प्रारंभ अकादेमी की वर्षभर की प्रमुख गतिविधियों की प्रदर्शनी से हुआ, जिसका उद्घाटन माननीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया।

साहित्य अकादेमी पुरस्कार २०२२ वितरण समारोह ११ मार्च को कमानी सभागार में संपन्न हुआ। इसके मुख्य अतिथि श्री उपमन्यु चटर्जी थे। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री दीपक मिश्रा ने १२ मार्च को प्रतिष्ठित संवत्सर व्याख्यान दिया। अन्य कार्यक्रम में ७ लेखक सम्मिलन, १५ रचना-पाठ कार्यक्रम, १३ परिचर्चाओं के अलावा नारी चेतना, अस्मिता, कथासंधि, लेखक से भेंट और 'व्यक्ति तथा कृति' जैसे नए कार्यक्रम भी आयोजित हुए। बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम के साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी उत्सव का मुख्य आकर्षण रहीं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय 'महाकाव्यों की स्मृतियाँ, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र निर्माण' था। हिंदी के कवि, आलोचक एवं साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य श्री विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ने उद्घाटन वक्तव्य और प्रख्यात आलोचक श्री आशीष नंदी ने बीज वक्तव्य दिया। मातृभाषा के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए मातृभाषा के महत्त्व पर, भारत में आदिवासी समुदायों के महाकाव्य, संस्कृत भाषा एवं भारतीय संस्कृति आदि पर भी परिचर्चा आयोजित की गईं। कुछ अन्य विशेष कार्यक्रमों में सर्वश्री कैलाश सत्यार्थी, सुनील कांत मुंजाल, अब्दुस समद, उषाकिरण खान तथा कजाकिस्तान से पधारे लेखक भी उपस्थित रहे और इंडो-कजाक लेखक सम्मिलन तथा विदेशों में भारतीय साहित्य पर भी बातचीत हुई। □